सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

मूल्य ₹ 3/-

● वर्ष: 9 ● अंक: 170 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 27 जुलाई, 2023

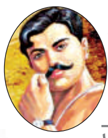

अगर आपके लहू में रोष नहीं है, तो ये पानी है जो आपकी रगों में बह रहा है। ऐसी जवानी का क्या मतलब अगर वो मातृभूमि के काम ना आए।

-चंद्रशेखर आजाद

यशस्वी रैंकिंग में उछले, 11 स्थानों... 7

डिगेगा विश्वास तो बढ़ेगी... 3

पूरे प्रदेश को मथेगी सपा की... 2

छठे दिन भी संसद में मचा घमासान

काले कपड़े पहनकर सदन पहुंचे विपक्षी सांसद

- लोकसभा व राज्यसभा की कार्यवाही ठप
- मानसून सत्र में हंगामा, लगे इंडिया.. इंडिया के नारे
- भाजपा सांसदों ने भी किया अवरोध
- सदन में मोदी.. मोदी के नारे भी लगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मणिपुर हिंसा को लेकर आज भी संसद में हंगामा जारी है। विपक्ष लगातार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जवाब मांग रहा है, इसे लेकर पिछले कई दिनों से संसद के मानसून सत्र में बवाल मचा हुआ है। वृहस्पतिवार को विपक्षी सांसद विरोध में काले कपड़े पहनकर संसद पहुंचे । विपक्षी सांसदों के काले कपड़े पहनकर संसद आने पर पीयूष गोयल ने तंज कसा है। उनके भाषण के बाद एनडीए के तमाम सांसदों ने काला कपड़ा काला काम, नहीं सहेगा हिंदुस्तान के नारे लगाए। वहीं विपक्षी सांसदों ने भी जमकर नारेबाजी की।

छठवें दिन गुरुवार को विपक्ष और एनडीए के सांसदों ने जमकर नारेबाजी की। लोकसभा शुरू होते ही विपक्ष ने नारेबाजी शुरू कर दी। जिसके कारण सिर्फ 6 मिनट बाद ही स्पीकर ओम बिरला को कार्यवाही दोपहर 2 बजे तक स्थगित करनी पड़ी। उधर, राज्यसभा में भी विपक्ष के सांसद तख्तियां लेकर पहुंचे और प्रधानमंत्री सदन में आओ, सदन में आके कुछ तो बोलो, प्रधानमंत्री चुप्पी तोड़ो... जैसे नारे लगाते देखे गए। यह देख एनडीए के सांसद मोदी...मोदी... के नारे लगाने लगे, तो विपक्ष ने इंडिया.. इंडिया के नारे लगाए।

काला कपड़ा, काला काम, नहीं सहेगा हिंदुस्तान : गोयल

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने काले कपड़े पहनकर संसद पहुंचे विपक्षी सांसदों को लेकर कहा कि जिनके मन में काला है, जिनके तन में काला है, इनके दिल में क्या छुपा है? क्या दिल में काला है, क्या काला धन छुपाया है? इनके क्या कारनामे हैं, जिन्हें ये दिखाना नहीं चाहते हैं। पीयूष गोयल ने संसद परिसर में आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा पर कौवे के हमला करने की घटना का भी अपने भाषण में जिक्र किया और चुटकी ली। उन्होंने कहा, ऐसे तो आजकल काले कौवे भी इन पर आकर्षित हो रहे हैं, इनका कल भी काला है, आज भी काला है और भविष्य भी काला है, हम नकारात्मक सोच के लोग नहीं है, हमारा पूरा विश्वास है कि उनके जीवन में भी अंधेरा छंटेगा और इनकी जिंदगी में भी रौशनी आएगी, काला कपड़ा काला काम, नहीं सहेगा हिंदुस्तान।

बिरला व धनखड़ ने सांसदों को लगाई फटकार

लोकसभा में हंगामा कर रहे विपक्षी सदस्यों को लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने कड़ी फटकार लगाई। स्पीकर ने कहा कि पूरा देश देख रहा है, आपके उसके सामने कैसा उदाहरण पेश करना चाहते हैं। हंगामा न रुकता देख स्पीकर ने सदन को दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। वहीं राज्य सभा में भी दोनों तरफ से नारेबाजी को देखते हुए सभापति जगदीप धनखड़ सभी सांसदों को चुप कराने की कोशिश की। इसके बाद हंगामे के चलते कार्यवाही को स्थगित कर दिया गया।

अविश्वास प्रस्ताव पर सीपीएम ने उठाए सवाल

अविश्वास प्रस्ताव को लेकर सीपीआई सांसद ने कांग्रेस पर तंज कसा है। सीपीआई सांसद बिनॉय विश्वम ने कहा कि कांग्रेस ने जल्दबाजी में स्वीकार कर लिया कि अविश्वास प्रस्ताव विपक्षी पार्टियों (इंडिया) का प्रतिनिधित्व नहीं करता है। सीपीआई सांसद ने गुरुवार को कहा कि भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन के कई दलों को लगता है कि अगर भारत के अन्य दलों का प्रतिनिधित्व होता तो प्रस्ताव मजबूत और अधिक प्रभावी होता। उन्होंने ने कहा, केवल सीपीआई ही नहीं, बल्कि कई अन्य दलों ने जिम्मेदार तरीके से आपत्ति जताई है। कांग्रेस नेतृत्व ने इसे समझा है और वे इतने लोकतांत्रिक हैं कि वे सहमत हुए कि यह जल्दबाजी में हुआ है। सीपीआई सांसद ने कहा, अध्याय अब बंद हो चुका है। महत्वपूर्ण बात यह है कि अविश्वास प्रस्ताव संसद में है और इस पर पर्याप्त संख्या में सांसदों के हस्ताक्षर हैं।

मणिपुर हिंसा पर सुप्रीम कोर्ट में एक और याचिका

- पीठ ने कहा- पहले से ध्यान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मणिपुर हिंसा को लेकर लोगों में लगातार गुस्सा है। गुरुवार को इसी मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक और याचिका दी गई। इस पर पीठ ने याचिकाकर्ता से पूछ लिया कि अदालत में पहले से ही इस मुद्दे पर गौर किया जा रहा है, तो एक और याचिका की क्या आवश्यकता है। साथ ही उन्होंने मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के समक्ष अपनी याचिका का उल्लेख करने को कहा।

दरअसल, याचिकाकर्ता ने मणिपुर में यौन उत्पीड़न और हिंसा की घटनाओं की जांच के लिए सर्वोच्च न्यायालय के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश के तहत एक स्वतंत्र समिति के गठन की मांग की है। मामले को न्यायमूर्ति एस के कौल और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की पीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने के लिए उल्लेखित किया गया था। गुरुवार को सीजेआई चंद्रचूड़ अदालत में नहीं आए थे। याचिका दायर करने वाले वकील विशाल तिवारी ने पीठ को बताया कि मणिपुर हिंसा से संबंधित मुद्दे को उठाने वाली लंबित याचिकाएं शुक्रवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध हैं। उन्होंने अनुरोध किया कि उनकी याचिका को भी संबंधित मामले के साथ शुक्रवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाए।

क्रूरता और अराजकता की बात उठाई

तिवारी ने दावा किया कि उन्होंने कानून के शासन के उल्लंघन और मणिपुर में क्रूरता और अराजकता के खिलाफ याचिका दायर की है। बता दें, याचिका में कहा गया है कि मणिपुर में भीड़ ने दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर अपमानजनक तरीके से घुमाया और उनके साथ यौन उत्पीड़न किया। हाल ही में इसका वीडियो सामने आया है। इस पूरी घटना ने देश को झकझोर कर रख दिया। याचिका में आरोप लगाया गया है कि हिंसा, हमले, यौन उत्पीड़न, दुष्कर्म और दंगों से संबंधित यह घटना मणिपुर में दो महीने पहले हुई थी। फिर भी केंद्र और राज्य सरकार द्वारा इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई।

हर कोई करना चाहता है बात : पीठ

पीठ ने इस पर कहा कि शीर्ष अदालत में पहले से ही इस मुद्दे पर गौर किया जा रहा है, तो एक और याचिका की क्या आवश्यकता है। उन्होंने आगे कहा कि इस मामले में देशभर में हर कोई अपनी बात रखना चाहता है। पीठ ने कहा कि कल सीजेआई के समक्ष इसका उल्लेख करें।

पूरे प्रदेश को मथेगी सपा की यात्रा

» नौ अगस्त से निकलेगी समाजवादी साइकिल यात्रा

» प्रयागराज से शुरू होकर लखनऊ में होगी समाप्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी समाजवादी पार्टी पूर उत्तर प्रदेश को मथेगी। पार्टी अब साइकिल यात्रा निकालने की तैयारी कर रही है। देश बचाओ-देश बनाओ समाजवादी साइकिल यात्रा अगस्त क्रांति दिवस यानी नौ अगस्त को प्रयागराज से शुरू होगी। पहले चरण में 25 लोकसभा सीटों को कवर करने वाली यह यात्रा सपा के पक्ष में माहौल तैयार करेगी।

इसमें पार्टी के कई वरिष्ठ नेता भी शामिल होंगे। सपा प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम ने पत्र लिखकर वरिष्ठ नेताओं को इस साइकिल यात्रा का हिस्सा बनने को कहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा पीडीए (पिछड़े दलित, अल्पसंख्यक मुस्लिम) का शोषण कर रही है। साइकिल यात्रा के जरिए सत्ता के विकल्प के रूप में समाजवादी सरकार की नीतियां, समाजवादी विचारधारा को नौजवान जनता के सामने रखेंगे। यात्रा में जातीय जनगणना की मांग, आरक्षण में हो रहे छेड़छाड़ और किसानों के शोषण के मुद्दे को प्रमुखता से रखा जाएगा। जनता को सपा की नीतियों, विचारों और कामों को बताया जाएगा और लोगों को पार्टी के साथ जोड़ने की कोशिश की जाएगी। पहले चरण की यात्रा के बाद दूसरे चरण की साइकिल यात्रा तय की जाएगी। प्रयागराज, कौशांबी, चित्रकूट, बांदा, फतेहपुर, रायबरेली, प्रतापगढ़, अमेठी, सुलतानपुर, अंबेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीर नगर, गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, गोंडा, बाराबंकी व लखनऊ से यात्रा गुजरेगी। यात्रा के पहले चरण का समापन लखनऊ में होगा। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस साइकिल यात्रा के जरिए जातीय जनगणना के मुद्दे को लोगों के बीच ले जाने को कहा है। प्रयागराज से शुरू हो रही यह यात्रा प्रदेश के 24 जिलों से होकर गुजरेगी। इस यात्रा की अगुवाई समाजवादी पार्टी के युवा नेता और इलाहाबाद विश्व विद्यालय के छात्र नेता अभिषेक यादव करेंगे।

देश बचाओ-देश बनाओ का चलेगा अभियान

भाजपा की अकर्मण्यता का खामियाजा भुगत रही जनता : अखिलेश

सपा मुखिया ने इससे पहले भाजपा सरकार पर बिजली संकट के मुद्दे पर भी हमला बोला। कहा, अघोषित कटौती से पूरा प्रदेश त्रस्त है। बार-बार बिजली कटौती से शहरों में इस भीषण गर्मी व उमस से लोग परेशान हैं। भाजपा का काम नफरत की राजनीति करना रह गया है। अखिलेश कहा, भाजपा सरकार की अकर्मण्यता और भ्रष्टाचार का खामियाजा जनता भुगत रही है। भाजपा का काम समाज को बांटना और नफरत की राजनीति करना रह गया है।

अपने ही घायल विधायक को भूली भाजपा

» 70 दिनों तक दिल्ली के अपोलो अस्पताल में करवाया इलाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मणिपुर हिंसा को लेकर देशभर में चर्चा है। इसने देशवासियों को हिलाकर रख दिया है तो देश में कानून-व्यवस्था के साथ सत्ताधारी सरकार के कामकाज पर भी सवाल उठ रहे हैं। स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वहां की जनता तो क्या जनप्रतिनिधि भी हमले का शिकार हुए हैं। हिंसा शुरू होने के दूसरे दिन ही हमले में गंभीर रूप से घायल हुए भाजपा विधायक वुंगजागिन वाल्टे इसके प्रत्यक्ष गवाह हैं।

70 दिनों तक दिल्ली के अपोलो अस्पताल में इलाज कराने के बाद भी सत्ताधारी दल के विधायक व उनके परिजन इस कदर डरे व सहमे हुए हैं कि वे मणिपुर भवन या अन्य सरकारी सुविधा का लाभ लेने से भी हिचक रहे हैं। वह परिवार समेत दक्षिण दिल्ली के कालकाजी एक्सटेंशन में एक किराए के मकान में छुप कर रह रहे हैं। खास बात ये है कि दिल्ली में रहते हुए किसी भी भाजपा नेता ने उनसे संपर्क नहीं किया है। मणिपुर हिंसा में चार मई को हमले में गंभीर रूप से घायल होने के बाद भाजपा विधायक वुंगजागिन वाल्टे को पांच मई को एयर लिफ्ट करके दिल्ली स्थित अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। स्वास्थ्य में सुधार होने के 70 दिन बाद 13 जुलाई को उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। इन 70 दिनों के दौरान विधायक का परिवार अस्पताल के आसपास के इलाके में 30 हजार रुपये प्रतिमाह पर एक मकान में किराए पर रहा।

दोस्तपुर के लाल अविनाश त्रिपाठी को मिली पीएचडी की उपाधि

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दोस्तपुर। गुरु घासीदास केन्द्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर ने नगर पंचायत दोस्तपुर के लाल अविनाश त्रिपाठी को पत्रकारिता एवं जनसंचार विषय में पीएचडी की उपाधि प्रदान की है। अविनाश के शोध का विषय 'वेब धारावाहिकों का सामाजिक-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य एवं युवाओं पर उसका प्रभाव (सेक्रेड गेम्स वेब धारावाहिक के विशेष संदर्भ में)' है। अविनाश त्रिपाठी ने पीएचडी शोध कार्य सीयू के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की पूर्व एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. गोपा बागची के मार्गदर्शन में पूर्ण किया है। शोध के तहत अविनाश ने वेब सीरीज के युवाओं के ऊपर पड़ रहे प्रभाव का अध्ययन किया।

जिसमें पता चला कि एक तरफ वेब सीरीज युवाओं को बड़े-बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित कर रहा है तो दूसरी तरफ यह युवाओं को अपराध के नए-नए तरीके भी सिखा रहा है। वेब सीरीज युवाओं की संवाद भाषा में गालियों के प्रयोग को भी बढ़ावा दे रहा है। अविनाश को इस पीएचडी शोध कार्य हेतु भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर से डॉ. अंबेडकर डॉक्टरल फेलोशिप भी प्राप्त हुई है।

प्रदेश में आपराधिक तत्वों के हौसले बढ़े

» गोरखपुर में दलित परिवार पर हमले पर बिफरीं बसपा प्रमुख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती ने यूपी की योगी सरकारकी कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। पूर्व सीएम ने जहां एक ओर योगी सरकार जीरो टालरेंस की नीति के तहत प्रदेश से अपराध का सफाया होने का दावा करती है वहीं यहां अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। सरकार को इस मामले में सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

मायावती ट्वीट कर कहा कि यूपी में आपराधिक तत्वों के हौसले कितने बुलन्द हैं इसका एक और नमूना आज गोरखपुर के चिल्लुपार क्षेत्र के रुदौली में देखने को मिला जब अवैध खनन करने वाले गिरोह ने दलित परिवार पर हमला करके एक व्यक्ति की हत्या कर दी व अन्य कई लोगों को घायल कर दिया। यह अति-दु:खद व अति-निन्दनीय।

उचित धाराओं में सख्त एक्शन ले सरकार

बसपा सुप्रीमो ने यह भी कहा कि यूपी सरकार घटना का तुरन्त संज्ञान लेकर सभी नामजद लोगों के खिलाफ तत्काल उचित धाराओं में सख्त एक्शन लेने के साथ ही अपराध नियंत्रण व इस प्रकार के सामाजिक एवं राजनीतिक अपराधों/उत्पीड़न के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे ताकि आपराधिक तत्वों पर अंकुश लग सके, बीएसपी की यह मांग।

यूपी विधान मंडल का मानसून सत्र सात अगस्त से

लखनऊ। विधान मंडल का मानसून सत्र सात अगस्त से शुरू होगा। सत्र आहूत किए जाने के बारे में संसदीय कार्य विभाग के प्रस्ताव को कैबिनेट बाई सर्कुलेशन मंजूरी दिए जाने के बाद राज्यपाल ने भी इसे अनुमोदित कर दिया है। विधान सभा सचिवालय ने सत्र आहूत किये जाने के बारे में बुधवार को अधिसूचना जारी कर दी है। वर्ष 2023 में यह विधान मंडल का दूसरा सत्र होगा। इससे पहले विधान मंडल का बजट सत्र 20 फरवरी से तीन मार्च तक हुआ था। फिलहाल मानसून सत्र का सात से 11 अगस्त तक का कार्यक्रम मंजूर हुआ है। सत्र के दौरान सरकार कई विधेयकों को विधान मंडल से पारित कराएगी। विधान सभा की नई कार्य संचालन नियमावली को भी मानसून सत्र में मंजूरी मिलेगी।

भाजपा को पची नहीं भारत जोड़ो यात्रा : खाबरी

» बीजेपी सरकार ने नौ वर्षों से भारतीय संविधान का किया चीरहरण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राहुल गांधी ने जब भारत जोड़ो यात्रा निकाली और 4000 किलोमीटर की यात्रा कर लोगों से मिले तो ये भाजपा को नहीं पचा। यह बात संविधान बचाओ संकल्प सभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी ने कही। खाबरी ने कहा कि भाजपा सरकार नौ वर्षों से भारतीय संविधान का चीरहरण कर रही है। संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों की हत्या हो रही है। भाजपा ने सदस्यता खत्म करने की साजिश रच डाली। 2014 के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री ने दो करोड़ रोजगार प्रति वर्ष देने का वादा किया था। सभी परिवारों के बैंक खाते में 15 लाख रुपए भेजने की बात कही, लेकिन सब भूल गए। मणिपुर में हृदय विदारक घटना हुई। घटना के चलते विश्व में भारत को नीचा देखना पड़ा, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वहां जाना भी उचित नहीं समझा। राहुल गांधी वहां पहुंचे, लेकिन उसे भी राजनीतिक रंग दिया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा कि वो ट्वीट कर रहे हैं, कि नाम बदलने से काम नहीं बदलता। तो मैं पूछना चाहता हूं कि मुगलसराय स्टेशन का नाम बदलने, अकबर रोड का नाम बदलने का क्या मतलब। कार्यक्रम को विशिष्ट अतिथि प्रांतीय अध्यक्ष नकुल दुबे, अध्यक्षता कर रहे पूर्व सांसद कमांडो कमल किशोर, शहर कांग्रेस अध्यक्ष आदर्श अग्रवाल, अमर नाथ शुक्ल आदि ने भी संबोधित किया। इस दौरान ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ ज्ञानू, दीपक पाठक, जिलाध्यक्ष जय प्रकाश, मेजर राना शिवम सिंह, प्रदेश सचिव दुर्गविजय सिंह मान, डॉ. राजेश तिवारी आदि मौजूद रहे।

नाम बदलने से काम नहीं बदलता

आपस में ही भिड़े कांग्रेसी नेता, बिफरे नकुल दुबे

यूपी के बहराइच जिले में प्रदेश कांग्रेस के नेताओं ने संविधान बचाओ कार्यक्रम आयोजित किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान कई बार गहमागहमी का माहौल बना। कुछ-कुछ देर के बाद हंगामे जैसे हालात बनते दिखे। प्रदेश अध्यक्ष के सुरक्षा गार्ड द्वारा मीडिया कर्मी को धक्का देने के चलते मीडिया कर्मियों ने कुछ देर के लिए कार्यक्रम का बहिष्कार कर दिया। वहीं इसके बाद कार्यक्रम समाप्त होने के बाद सुरक्षा गार्ड ने पूर्व सांसद कमांडो कमल किशोर को धकका देने की कोशिश की, जिससे वह भड़क उठे। वहीं इसी दौरान किसी बात को लेकर प्रांतीय अध्यक्ष नकुल दूबे गुस्सा हो गए और कुछ लोगों से मुझे मारो-मुझे मारो कहते दिखे। वह कार्यक्रम को छोड़कर बाहर जाते दिखे और किसी बात से बहुत नाराज लगे। बाद में वह जाकर अपनी गाड़ी में बैठ गए।

डिगेगा विश्वास तो बढ़ेगी आस!

- मोदी सरकार के खिलाफ आएगा अविश्वास प्रस्ताव
- विपक्ष पूरी तरह से भाजपा को घेरने को तैयार
- सत्ता पक्ष ने भी जवाब देने को कसी कमर
- नियम 198 के तहत लाया जाता है अविश्वास प्रस्ताव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मोदी सरकार के ऊपर से विपक्ष का विश्वास डिगा तो उसने उनके खिलाफ अविश्वास लाकर उसकी नींद उड़ाने की तैयारी कर ली है अब लोकसभा अध्यक्ष जल्द ही चर्चा के बाद इसके तारीख का ऐलान भी कर देंगे। आंकड़ों में तो मोदी सरकार मजबूत है, पर अविश्वास प्रस्ताव के बाद फैसला कुछ भी आए अगर जनता का विश्वास मोदी सरकार से डिग गया तो 2024 की राह भाजपा के लिए कांटों भरी हो जाएगी। मणिपुर हिंसा मामले को लेकर विपक्ष ने सड़क से लेकर संसद तक सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है। संसद के मानसून सत्र को शुरू हुए छह दिन हो चुके हैं और हर रोज सदन की कार्यवाही हंगामे की भेंट चढ़ रही है।

बुधवार को कांग्रेस और बीआरएस की तरफ से इसी मामले को लेकर मोदी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया गया। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने लोकसभा में सेक्रेटरी जनरल के कार्यालय में नो कॉन्फिडेंस मोशन का नोटिस दिया। इसके अलावा तेलंगाना की सत्ताधारी पार्टी बीआरएस ने भी अलग से अविश्वास प्रस्ताव पेश किया है। संसद में संख्याबल के हिसाब से देखें तो अभी मोदी सरकार काफी मजबूत स्थिति में दिखाई देती है। इसके बावजूद विपक्ष की तरफ से अविश्वास प्रस्ताव लाया है। भाजपा की अगुआई वाली एनडीए सरकार के पास अभी लोकसभा में 330 से ज्यादा सांसदों का समर्थन है। अकेले भाजपा के 301 सांसद हैं। वहीं, विपक्षी खेमे यानी इंडिया गठबंधन के पास लोकसभा में 142 और राज्यसभा में 96 सांसद हैं। संख्याबल के हिसाब से दोनों सदनों में सत्ता पक्ष मजबूत है। जानकारों का क हना है कि विपक्ष अभी किसी भी हालत में चर्चा के केंद्र बिंदु में बने रहना चाहता है। सरकार को हावी होने का कोई मौका विपक्ष नहीं देना चाहता है।

विपक्ष लगातार मांग कर रहा है कि मणिपुर मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सदन में बयान दें। वहीं, सरकार ने कहा है कि गृहमंत्री अमित शाह इस मसले पर बयान देंगे। ऐसे में अविश्वास प्रस्ताव एक ऐसा तरीका है, जिसके जरिए विपक्ष पीएम मोदी को संसद में बुलाने की कोशिश कर रहा है। कुल मिलाकर सारे विपक्षी दल पीएम मोदी को ही घेरना चाहते हैं। अभी पूरी एनडीए का सिर्फ एक चेहरा है और वह है पीएम मोदी का। ऐसे में भाजपा भी नहीं चाहती है कि किसी भी तरह से पीएम मोदी इस तरह की विवादों में फंसे। इसलिए सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले ही पीएम मोदी ने मीडिया के सामने मणिपुर कांड की निंदा की और सख्त कार्रवाई की बात भी कही।

सदन में अविश्वास प्रस्ताव लाने का भी एक नियम है। इसे नियम 198 के तहत लोकसभा में पेश किया जाता है।

आसान नहीं होगी विपक्ष की राह

विपक्षी दलों के 50 से ज्यादा लोकसभा सदस्य इस प्रस्ताव पर नोटिस दे सकते हैं। लेकिन निचले सदन में विपक्षी दलों के पास 150 से कम सदस्य हैं, इसलिए अगर वे अविश्वस प्रस्ताव पेश करते हैं, तो उनकी हार निश्चित है। साथ ही, लोकसभा में बहस के दौरान उन्हें उतना समय नहीं मिल पाएगा, क्योंकि सदन में पार्टियों की संख्या के अनुसार समय आवंटित किया जाता है। सदन में अविश्वास प्रस्ताव लाने से लेकर उसकी प्रक्रिया पूरे होने तक का चक्र समझना आम लोगों के लिए थोड़ा मुश्किल है।

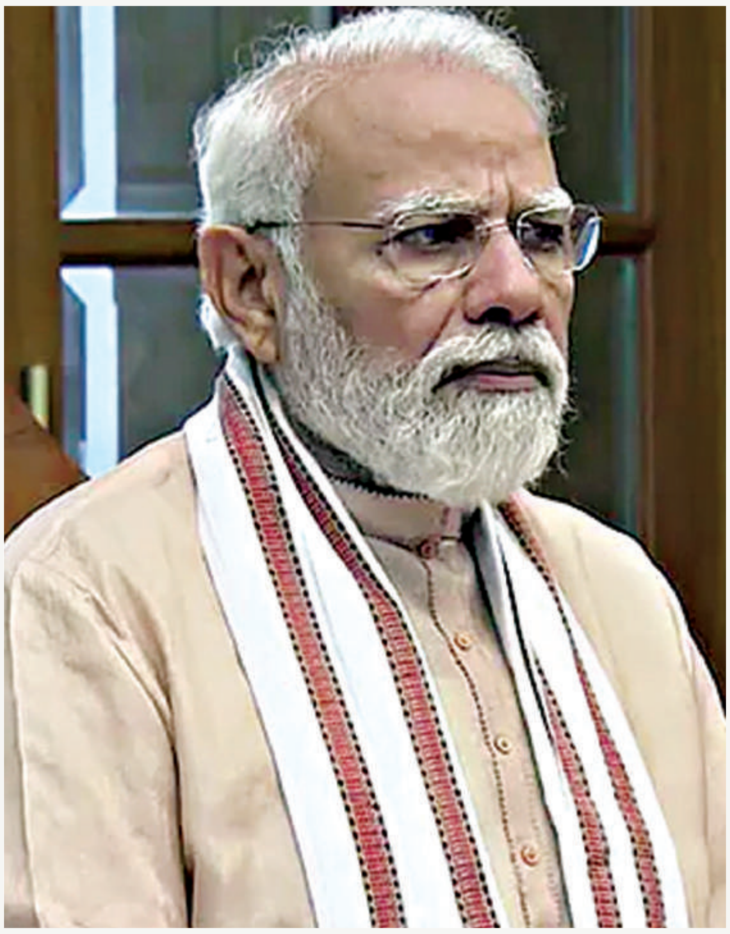

27बार आ चुका है अविश्वास प्रस्ताव

अब तक 27 बा अविश्वास प्रस्ताव लोकसभा में पेश किया गया है। 1963 में जेपी कृपलानी ने नेहरू सरकार के खिलाफ नोटिस दिया था।1979 में मोराजी देसाई इकलौते प्रधानमंत्री रहे, जिनकी अविश्वास प्रस्ताव के जरिए सरकार गिरी। 2003 में सोनिया गांधी तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लेकर आई। 2018 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ पेश किया गया अविश्वास प्रस्ताव, 325-126 के मार्जिन से मोदी सरकार जीती थी। अविश्वास प्रस्ताव पर सबसे लंबी बहस। अविश्वास प्रस्ताव पर सबसे लंबी बहस 24.34 घंटे हुई। इंदिरा गांधी के खिलाफ 15 बार अविश्वास प्रस्ताव लाया गया, सभी मौकों पर उनकी जीत हुई। लाल बहादुर शास्त्री के खिलाफ आए अविश्वास प्रस्ताव पर सबसे लंबी बहस 24.34 घंटे हुई। 4 अविश्वास प्रस्ताव सीपीआईएम के नेता ज्योतिर्मय बसु ने पेश किया था।

विपक्ष का मोदी पर हमला- पीएम बाहर बोल सकते है तो सदन में क्यों नहीं

कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा, पीएम मोदी मणिपुर पर सदन के बाहर तो बात करते हैं, लेकिन सदन के अंदर नहीं बोलते। विपक्ष ने मणिपुर पर बार-बार सरकार का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश की, लेकिन यह विफल रही। ऐसे में अब अविश्वास प्रस्ताव ही सही है। राजद सांसद मनोज झा ने कहा कि हम जानते हैं कि संख्या बल हमारे पक्ष में नहीं है लेकिन लोकतंत्र सिर्फ संख्याओं के बारे में नहीं है। मणिपुर जल रहा है और लोग पीएम के बोलने का इंतजार कर रहे हैं...शायद अविश्वास प्रस्ताव के बहाने उन्हें कुछ बोलने पर मजबूर किया जा सके। यही सबसे बड़ी उपलब्धि होगी। शिव सेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि कोई अपनी जिम्मेदारी से बच रहा है, कोई मणिपुर के प्रति अपनी जिम्मेदारी नहीं निभा रहा है। लोग सोच रहे हैं कि पीएम संसद में क्यों नहीं आ रहे हैं...अगर हमें पीएम को संसद में लाने के लिए इस अविश्वास प्रस्ताव का इस्तेमाल करना पड़ रहा है, तो मुझे लगता है कि हम इस देश की बहुत बड़ी सेवा कर रहे हैं। सीपीआई सांसद बिनॉय विश्वम ने कहा कि यह अविश्वास प्रस्ताव एक राजनीतिक उद्देश्य के साथ एक राजनीतिक कदम है। एक ऐसा राजनीतिक कदम जो परिणाम लाएगा... अविश्वास प्रस्ताव उन्हें (प्रधानमंत्री) संसद में आने के लिए मजबूर करेगा। हमें देश के मुद्दों पर, खासकर मणिपुर पर संसद के अंदर चर्चा की जरूरत है। संख्याओं को भूल जाइए, वे संख्याएं जानते हैं और हम भी संख्याएं जानते हैं...। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) सांसद नामा नागेश्वर राव ने कहा कि हमने अपनी पार्टी की ओर से अविश्वास प्रस्ताव पेश किया है। सत्र शुरू होने के बाद से ही सभी विपक्षी नेता मणिपुर मुद्दे पर चर्चा की मांग कर रहे थे। अगर प्रधानमंत्री इस पर बोलेंगे, तो देश के लोगों के बीच शांति होगी - इसलिए हमने प्रयास किए... इसलिए, आज यह प्रस्ताव लाया गया है।

लोकसभा अध्यक्ष देंगे तारीख

लोकसभा अध्यक्ष यह तय करेंगे कि प्रस्ताव को चर्चा और बहस के लिए स्वीकार किया जाए या नहीं। यदि प्रस्ताव स्वीकार कर लिया जाता है, तो अध्यक्ष चर्चा के लिए तारीख और समय तय करेगा। अध्यक्ष प्रस्ताव पर चर्चा के लिए (लोकसभा नियमों के नियम 198 के उप-नियम (2) और (3) के तहत) समय दे सकते हैं। यदि अविश्वास प्रस्ताव पारित हो जाता है, तो सरकार को इस्तीफा देना पड़ता है। अविश्वास प्रस्ताव पर लोकसभा में बहस होती है। प्रस्ताव उस सदस्य द्वारा पेश किया जाएगा जिसने इसे पेश किया है, और सरकार तब प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देगी। इसके बाद विपक्षी दलों को प्रस्ताव पर बोलने का मौका मिलेगा। बहस के बाद लोकसभा अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग करती है। अगर सदन के अधिकांश सदस्यों द्वारा इसका समर्थन किया जाता है तो प्रस्ताव पारित हो जाएगा। अगर सरकार अविश्वास प्रस्ताव पर वोट जीत जाती है तो क्या होगा? अगर सरकार अविश्वास प्रस्ताव पर वोट जीत जाती है, तो प्रस्ताव गिर जाता है और सरकार सत्ता में बनी रहती है।

इस अविश्वास प्रस्ताव को संसद में पेश करने के लिए करीब 50 सांसदों की जरूरत होती है। अगर संसद में अविश्वास प्रस्ताव पर वोटिंग के दौरान 51 प्रतिशत से ज्यादा सांसदों ने इसके पक्ष में मतदान कर दिया तो सरकार मुश्किल में पड़ जाती है। ऐसी स्थिति में सरकार को बहुमत साबित करना होता है। लोकसभा में विपक्षी दलों की तरफ से सरकार के खिलाफ लाया जाने वाला प्रस्ताव, अविश्वास प्रस्ताव कहलाता है। क्यों लाते है अविश्वास प्रस्ताव?सरकार को लोकसभा में बहुमत साबित करने की चुनौती के लिए इसे लाया जाता है। नियम 1998 के तहत, कोई भी सदस्य सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दे सकता है। लोकसभा अध्यक्ष जब प्रस्ताव को कार्यवाही का हिस्सा बनाए।समर्थन में 50 सदस्यों का होना बेहद जरूरी है।

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

सोच समझ कर करे प्रोटोकाल का प्रयोग

> "चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया के सामयिक दखल ने जुडिशरी से जुड़े एक विवाद को और अप्रिय रूप लेने से पहले ही खत्म कर दिया। उन्होंने हाईकोर्टों के चीफ जस्टिस को पत्र लिखकर कहा कि जजों को अपने विशेषाधिकार के इस्तेमाल को लेकर सतर्क रहना चाहिए। उनकी यह पहल खास तौर पर उस विवाद के संदर्भ में महत्वपूर्ण है, जो इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक जज की तरफ से रेलवे अधिकारियों से जवाब तलब किए जाने की वजह से शुरू हुआ था।

हाल ही में मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने जजों को अपने पदों के बेजां इस्तेमाल पर नाराजगी जाहिर की थी। उन्होंने कहा कि जजों को अपने प्रोटोकाल का प्रयोग बहुत समझदारी से करना चाहिए ताकि दूसरे को नुकसान न पहुंचे। उन्होंने कहा कि जजों को जो सुविधाएं मिलती हैं, उनका इस्तेमाल खुद को ऊंचा दिखाने के लिए नहीं करना चाहिए। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया के सामयिक दखल ने जुडिशरी से जुड़े एक विवाद को और अप्रिय रूप लेने से पहले ही खत्म कर दिया। उन्होंने हाईकोर्टों के चीफ जस्टिस को पत्र लिखकर कहा कि जजों को अपने विशेषाधिकार के इस्तेमाल को लेकर सतर्क रहना चाहिए। उनकी यह पहल खास तौर पर उस विवाद के संदर्भ में महत्वपूर्ण है, जो इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक जज की तरफ से रेलवे अधिकारियों से जवाब तलब किए जाने की वजह से शुरू हुआ था। जज की ओर से रेलवे अधिकारियों के भेजे गए पत्र में कहा गया था कि दिल्ली से प्रयागराज की यात्रा के दौरान ट्रेन तीन घंटे लेट हो गई और बार-बार संपर्क किए जाने के बावजूद जज के कोच में न तो जीआरपी के लोग पहुंचे और न पैंट्री कार के कर्मचारी।

यह पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था और लोगों की इस पर तरह-तरह की टिप्पणियां आ रही थीं। गौर करने की बात है कि ट्रेनों का तीन घंटे लेट होना अपने देश में कोई बड़ी बात नहीं है। अक्सर ट्रेनें इससे बहुत ज्यादा लेट हो जाती हैं और यात्रियों को तमाम असुविधाएं झेलनी पड़ती हैं। रेलवे की सेवा में ये कमियां कोई अच्छी बात नहीं है और इस पर ध्यान देने की जरूरत है। अपनी सीमाओं के बीच रेलवे सेवाओं में सुधार लाने की कोशिश भी कर रहा है, लेकिन सचाई यही है कि लाखों यात्रियों को तमाम तकलीफों के बीच सफर करना पड़ता है। ऐसे में अगर कोई जज या कोई अन्य वीआईपी सिर्फ इस वजह से नाराज हो जाएं कि उनकी अपेक्षाओं के अनुरूप सुविधाएं क्यों नहीं उपलब्ध कराई गईं तो निश्चित रूप से पब्लिक के बीच इससे कोई अच्छा मेसेज नहीं जाएगा। हालांकि अपने देश में वीआईपी कल्चर की बीमारी पुरानी है, लेकिन जुडिशरी हो या समाज और व्यवस्था का कोई अन्य जिम्मेदार हिस्सा, उसे इस बीमारी से लड़ते हुए दिखना चाहिए, न कि इसे और बढ़ाते हुए। इस लिहाज से सीजेआई चंद्रचूड़ का यह पत्र बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने इसमें साफ-साफ लिखा है कि जजों को प्रोटोकॉल के तहत जो सुविधाएं मिली हुई हैं, उनका इस्तेमाल खुद को पब्लिक से अलग या ऊंचा साबित करने या ताकत दिखाने के लिए नहीं करना चाहिए। इनका इस्तेमाल करते हुए ध्यान रखा जाना चाहिए कि इससे अन्य लोगों को किसी तरह की तकलीफ न हो और न ही इसकी वजह से जुडिशरी को सार्वजनिक आलोचना का पात्र बनना पड़े।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

एकता के लिए विपक्षी गठबंधन की चुनौतियां

केएस तोमर

हालांकि लोगों को इसकी उम्मीद नहीं थी लेकिन दूरदृष्टि दिखाते हुए मुख्य विपक्षी दल न केवल एक नाम पर सहमत हो गए हैं बल्कि पटना और बंगलुरू में दो सफल बैठकों का भी आयोजन कर चुके हैं। यह विपक्षी एकता के लिए शुभ संकेत है। सभी 26 विपक्षी दल बंगलुरू बैठक में सहमत हो गये कि नया गठबंधन भारत राष्ट्रीय विकास संगठन (इंडिया नेशनल डेवेलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस) के नाम से जाना जाएगा। विपक्षी दलों के समक्ष पहली चुनौती एक ऐसे नाम पर सहमत होना था जो सभी दलों को स्वीकार हो और मोदी को चुनौती दे सके। अब अगला कदम आपसी मतभेदों को मिटाना, सभी राज्यों में सीटों पर समझौता करना और साझा रणनीति को अंजाम देना है।

विपक्षी एकता के लक्ष्य को प्राप्त करने में कांग्रेस ने पहल की और मिसाल पेश की कि विपक्षी एकता के लिए कांग्रेस वचनबद्ध है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने ऐलान किया कि कांग्रेस प्रधानमंत्री पद की दावेदार नहीं है। इस बयान से उन क्षेत्रीय दलों के प्रमुखों को राहत महसूस हुई होगी जिन्हें कांग्रेस से परहेज है। भाजपा के सबसे सशक्त स्तंभ प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी हैं जो राष्ट्रीय और प्रांतीय स्तर पर चुनाव जीतने की क्षमता रखते हैं। साल 2024 के लोकसभा चुनावों में भी पार्टी का दारोमदार मोदी पर है। इन चुनावों में भाजपा की अपील मोदी को प्रधानमंत्री के तौर पर तीसरा कार्यकाल देने की होगी और यह प्रभावी भी हो सकती है। यदि विपक्ष एकजुट होकर कोई दमदार नेता पर मोहर नहीं लगाते। समझा जाता है कि विपक्षी दलों के नेता मसलन ममता बनर्जी, एमके स्टालिन, उद्धव ठाकरे, महबूबा मुफ्ती, उमर अब्दुल्ला और वामपंथी दल कांग्रेस पर दबाव बनाएं कि मल्लिकार्जुन खड़गे जो दलित हैं, को प्रधानमंत्री के रूप में आगे किया जाए। शायद यह प्रस्ताव क्षेत्रीय दल भी मंजूर कर लें। कांग्रेस की सभी राज्यों में मौजूदगी के चलते इस पर मोहर लग सकती है क्योंकि राहुल गांधी पहले ही ऐलान कर चुके हैं कि विपक्षी एकता के लिए उनकी पार्टी कोई भी कुर्बानी करने को तैयार है। इसका पहला उदाहरण तब मिला जब दिल्ली अध्यादेश के मामले में अपना कदम पीछे खींचते हुए कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी के अध्यादेश के विरोध को राज्यसभा में समर्थन देने की घोषणा कर दी। वहीं बंगलुरू की बैठक में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता

बनर्जी सोनिया गांधी और राहुल गांधी के मध्य में बैठी नजर आईं जिससे संदेश गया कि बड़ा लक्ष्य प्राप्त करने को पिछली बातों को भूल कर आगे बढ़ना होगा। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि अलग-अलग विचारधाराओं के राजनीतिक दल और अपनी-अपनी महत्वाकांक्षा वाले क्षेत्रीय नेता एकजुट होने के लिए राजी हैं तो इसका मुख्य कारण मोदी सरकार द्वारा विपक्षी नेताओं को प्रताड़ित करने के लिए केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग है। शायद इसी डर से पटना बैठक में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के उस बयान को अनदेखा किया गया कि कांग्रेस दिल्ली अध्यादेश के विरोध में खड़ी नजर नहीं आ रही और इसी कारण उन्होंने स्वयं को साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस से अलग रखा था। इसी बयान के तुरंत बाद भाजपा ने कटाक्ष किया था कि विरोधाभासों के चलते विपक्षी एकता की संभावना नगण्य है। लेकिन इसके बाद कांग्रेस ने राज्यसभा में अध्यादेश का विरोध करने का ऐलान कर बंगलुरू बैठक में केजरीवाल की शिरकत का रास्ता साफ कर दिया। जानकारों का मानना है कि इस मामले को सुलझाने में ममता बनर्जी ने बड़ी भूमिका निभाई। ग्यारह सदस्यीय सर्वदलीय को-ऑर्डिनेशन समिति के गठन से साफ है कि सहयोग का खाका जल्द बनाया जाएगा और मुंबई में होने वाली नेताओं की अगली बैठक से पहले काफी कुछ साफ होने लगेगा। कुल 26 दलों को साथ रखने के लिए कांग्रेस को और भी बलिदान देना पड़ सकता है। वहीं क्षेत्रीय दलों के नेता मसलन पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी, दिल्ली और पंजाब में केजरीवाल, तमिलनाडु में स्टालिन, उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव और बिहार में नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव व केरल में पिनाराई विजयन सशक्त नेता हैं। ऐसे में अपने-अपने राज्यों में ये दल सीटों का बड़ा हिस्सा मांगेंगे।

कांग्रेस अपने बूते पर भाजपा को कर्नाटक, राजस्थान, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश और मध्यप्रदेश में टक्कर दे सकती है। इन राज्यों में ज्यादातर सीटों पर उसका हक होगा। कांग्रेस पश्चिम बंगाल, पंजाब और दिल्ली में अधिक असरदार पार्टी नहीं। उसे इन राज्यों में अनावश्यक सीटों की मांग से पार्टी को बचना होगा। पिछले विधानसभा चुनावों के दौरान आम आदमी पार्टी के कारण गुजरात, गोवा, कर्नाटक और त्रिपुरा में कांग्रेस को वोटों का नुकसान हुआ। अब उम्मीद की जाती है कि आप इन राज्यों में अपने प्रत्याशी नहीं उतारेगी।

मानसून में शासक मौन भ्रष्टाचारी सून

नरेश कौशल

मानसूनी बारिश हमारे देश में विकास के भ्रष्टाचार के सारे किस्सों का सच कह जाती है। इस मौसम में भ्रष्टाचार के बादल फट जाते हैं। दरकते पुल, बहती सड़कें, हांफता ड्रेनेज सिस्टम और जलभराव हमारे सिस्टम में फैली भ्रष्टाचार की सड़ांध को ही तो बयां करते हैं। भगवान ही जाने कि देश में कैसे ठेकेदार व इंजीनियर हैं कि एक बारिश सारा विकास बहा ले जाती है, और ठेकेदारों के लिये विकास के नये दरवाजे खोलती है। बड़ी-बड़ी परियोजनाओं के ठेके लेने को नेता और उनके कारिंदे जो बेताबी दिखाते हैं, उससे पता चलता है कि सरकारी योजनाएं कैसे भ्रष्ट तंत्र के लिये कामधेनु बनी हैं। राजनेताओं के चुनावों में पैसा पानी की तरह बहाने वाले ठेकेदारों और बिल्डर्स की जन्मपत्री इसी विकास की गंगा में डुबकी लगाने की अकुलाहट से समझी जा सकती है। पहले तो नेताओं की बड़ी परियोजनाओं में सीधी भूमिका होती है, जो नेताओं की सात पीढ़ी के खर्चे-पानी की व्यवस्था करती है। अगर नेता का परिवार या रिश्तेदार सीधे विकास योजनाओं के निर्माण में शामिल न हों तो उनका हिस्से का प्रतिशत ईमानदारी से उनके घर पहुंच जाता है।

ईडी के छापों में करोड़ों की धनराशि नेताओं और नौकरशाहों के घर से बरामद होने को भ्रष्टाचार की अर्थव्यवस्था के रूप में समझा जा सकता है। नेताओं से कोई पूछे कि देश की राजधानी के जिन निचले इलाकों में यमुना हर बार अपनी जगह तलाशती है वहां बस्तियां कौन बसाता है? कौन अवैध घरों में बिजली-पानी का कनेक्शन देता है? नदी तो अपना इलाका नहीं भूलती। दस साल में बाढ़ के साथ नदी अपने इलाकों में पहुंचती है। उसकी याददाश्त तो ठीक है, मगर नेता और अधिकारी अपना फर्ज भूल जाते हैं। पहाड़ों की तो बात छोड़ दो, मैदानों में बड़े-छोटे शहर भी जरा-जरा सी बारिश में तालाब बन जाते हैं। कोई पूछे तो नगरपालिका तथा नगर परिषदों के चुने नुमाइंदों और अधिकारियों से कि प्लास्टिक के कचरे से भरी नालियों की सफाई मानसून से पहले हुई भी क्या? कितना बजट तय हुआ था नाले-नालियों की सफाई के लिये? कितना इस्तेमाल हुआ? कितना-कितना किस-किस की जेब में गया? कुछ ऐसे सवाल दिल्ली के उपराज्यपाल व आप नेताओं के बीच जुबानी तल्खी के दौरान भी आये थे।

राष्ट्रीय राजधानी की बात छोड़ दें, देश की हर नगरपालिका, नगर परिषद और नगर निगमों में ऐसे तमाम किस्से हैं। किसी को ठेका दिया, उसने कमीशन लेकर किसी और को ठेका दे दिया। बारिश आयी तो सब विकास बहा ले गयी। जनता बस हाथ मलती रह गई। मानसूनी बारिश में और कुछ बहे न बहे मगर देश का विकास खूब बह जाता है। ठेकेदारों व इंजीनियरों की आंखों का पानी तो बस मर ही गया है। तभी तो

आजादी से पहले अंग्रेजों के बनवाये पुल शान से खड़े हैं और आजादी के बाद देश के हर शहर में मोरबी पुल जैसे हादसे होते रहते हैं। हिमाचल की बाढ़ में भी तो कई पुल बह गये। उत्तराखंड में एक बड़ा पुल बीच से जमींदोज हो गया।

अब जब नेताजी के चहेते को पुल निर्माण का ठेका मिलेगा तो ऐसा अनाड़ी खिलाड़ी पुख्ता पुल बनायेगा कैसे? पुल तो गिरना ही है। बिहार में पिछले दिनों सालों से बन रहा पुल भर-भराकर गिर गया। झेंप मिटाने को सरकार ने सफाई दी कि डिजाइन गलत था। आईआईटी के इंजीनियरों की सलाह पर दोषपूर्ण हिस्सा गिराया गया। चलो जितना भी भ्रष्टाचार हुआ कम से कम कुछ तो पुल बना। नहीं तो कहीं-कहीं तो कागजों में पुल बनता है और ग्रांट भी हजम हो जाती है। कहते हैं कि बारिश के बाद कुदरत निखर जाती है। पेड़-पौधे नहा-धोकर दमकने लगते हैं। सड़कें बह जाती हैं। पुल धराशायी हो जाते हैं। नदियों के किनारे-पुश्ते ढह जाते हैं। नहरों में दरार पड़ जाती है। अधिकारी भूल जाते हैं कि बारिश ज्यादा हो गयी, बैराज के गेट खोलने थे। सवाल ये भी है कि दिल्ली में जिस पानी ने कोहराम मचाया, क्या उसे विभिन्न चरणों में धीरे-धीरे नहीं खोला जाना चाहिए था? क्यों पूरी दुनिया में फजीहत करायी कि विश्व गुरु बनने जा रहे देश की राजधानी यमुना में गोते लगाने को आतुर है? बस नेताओं को आरोप-प्रत्यारोप लगाने का मौका जरूर मिल गया। कहा गया कि दिल्ली को डुबाने को पानी छोड़ा गया। जब पानी सिर से गुजरने लगा तो दिल्ली के यमुना बैराज के फ्लड गेट खोलने की याद आई। याद आई तो पता लगा कि गेट खुल ही नहीं रहे हैं। कई दिनों के बाद सेना गेट खोलने की मशक्कत करती रही। गेट भी बड़े ढीठ निकले, खुल कर नहीं दे रहे थे।

वैसे तो हिमाचल की बारिश ने पूरे देश को डरा दिया था। नदियों पर बने पुल बहते दिखे। कारें पानी में डूबती-उतरती देखीं। सड़कों के किनारे पहाड़ दरकते देखे। नदियों के किनारे बने घर भर-भराकर नदी में गिरते देखे। आखिर नदी के ठीक किनारों पर घर बनाने की इजाजत किसने दी? क्या ले-देकर मामले निपटाये जाते हैं? पहले जमाने में नदियों के किनारे केवल धार्मिक रस्मो-रिवाजों की इजाजत होती थी। कहा जाता था कि नदी किनारे भूत-प्रेत रहते हैं। मकसद यही था कोई स्थायी निर्माण न हो, कोई वहां रहने न लगे। अब तो अधिकारियों की जेबें गरम करके नदी की नाक के सामने होटल-रिजॉर्ट खूब बनने लगे। भ्रष्ट अधिकारी भूल जाते हैं कि नदी की याददाश्त अच्छी होती है। वो अपने इलाके को तलाशती है, जब ज्यादा पानी उसकी गोद में होता है। क्या हमारे नेताओं को नहीं दिखता कि कहां मकान बन रहे हैं? कहां होटल बन रहे हैं? सामान्य विज्ञान का नियम है कि पानी ऊपर से नीचे को बहता है।

मशरूम

शाकाहारी लोगों के लिए मशरूम एक हाई विटामिन डी फूड है। लेकिन ध्यान रखें कि सिर्फ वही मशरूम विटामिन डी दे सकता है, जिसे धूप में उगाया गया हो। इसलिए बाजार से खरीदते हुए उसकी पैकेजिंग पर न्यूट्रिशनल वैल्यू जरूर देख लें। मशरूम एक पौष्टिक, स्वास्थ्यवर्धक एवं औषधीय गुणों से युक्त रोगरोधक सुपाच्य खाद्य पदार्थ है। चीन के लोग इसे महौषधि एवं रसायन सदृश्य मानते हैं जो जीवन में अद्भुत शक्ति का संचार करती है। रोम निवासी मशरूम को ईश्वर का आहार मानते हैं। यह पोषक गुणों से भरपूर शाकाहारी जनसंख्या के लिए महत्वपूर्ण विकल्प है तथा पौष्टिकता की दृष्टि से शाकाहारी एवं मांसाहारी भोजन के बीच का स्थान रखता है। मशरूम का 21वीं सदी में उत्तम स्वास्थ्य के लिए भोजन में प्रमुख स्थान है।

विटामिन डी की कमी के लक्षण

बार-बार बीमार पड़ना, थकान और कमजोरी, कमर दर्द, हड्डियों में दर्द, बार-बार हड्डी टूटना, डिप्रेशन, घाव या जख्म भरने में देरी, बोन लॉस, हेयर लॉस, वजन बढ़ना, मसल्स में दर्द, एंग्जायटी आदि। विटामिन डी शरीर में कैल्शियम को अवशोषित करने में मदद करता है।

संतरे का जूस

संतरे का फल विटामिन सी से भरपूर होता है। बाजार में कुछ फोर्टिफाइड ऑरेंज जूस मिलते हैं, जिनमें विटामिन डी डाला जाता है। इसे पीकर आप रोजाना की जरूरत पूरी कर सकते हैं और हड्डियों को मजबूत बना सकते हैं। संतरे के जूस में जिंक आयरन जैसे तत्व पाए जाते हैं, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाते हैं। जिससे आप कई तरह की बीमारियों की चपेट में आने से बच सकते हैं। इसके लिए रोजाना एक गिलास संतरे के जूस का सेवन करना चाहिए। संतरे के जूस का सेवन आंखों के लिए भी काफी फायदेमंद माना जाता है। क्योंकि संतरे के जूस में विटामिन ए की अच्छी मात्रा पाई जाती है, जो आंखों के लिए काफी जरूरी होता है। संतरे के जूस का सेवन करने से आंखों की रोशनी तेज होती है।

हड्डियों को बनाना है मजबूत

डाईट में शामिल करें ये फूड

विटामिन डी के लिए धूप को जरूरी माना जाता है। लेकिन बरसात या सर्दियों के मौसम में सूरज ढंग से नहीं निकल पाता है। जिस वजह से विटामिन डी की कमी का खतरा बढ़ जाता है। इसकी वजह से कैल्शियम भी घुल नहीं पाता और हड्डियां कमजोर होना शुरू हो जाती हैं। धूप के बिना भी इस विटामिन की कमी पूरी की जा सकती है। इस विटामिन डी डाइट में ऐसे फूड्स शामिल हैं, जिनमें ये सनलाइट विटामिन भरा हुआ है। शाकाहारी और मांसाहारी लोग इन खाद्य पदार्थों का सेवन करके कमी पूरी कर सकते हैं।

ऑयस्टर में है भरपूर मात्रा में विटामिन डी

अधिकतर लोग जानते हैं कि मछली खाने से विटामिन डी मिलता है। लेकिन ऑयस्टर एक दूसरा सीफूड है, जो भारी मात्रा मे इस न्यूट्रिएंट को देता है। इस फूड को खाकर विटामिन बी12 की कमी भी खत्म की जा सकती है। ऑयस्टर का उपयोग हृदय को स्वस्थ बनाए रखने में किया जा सकता है। दरअसल, ऑयस्टर में ओमेगा-3 ऑयल की पर्याप्त मात्रा पाई जाती है। एनसीबीआई (नेशनल सेंटर फॉर बायोटेक्नोलॉजी इंफार्मेशन) द्वारा प्रकाशित एक शोध में पाया गया है कि ओमेगा-3 फैटी ऑयल एसिड दिल की धड़कनों को सामान्य रखकर दिल के दौरे का खतरा कम करने में मदद कर सकता है।

दूध

एक गिलास दूध पीकर आप हड्डियों को अंदर से मजबूत बना सकते हैं। यह नेचुरल ड्रिंक विटामिन डी के साथ कैल्शियम देती है। यूएसडीए के मुताबिक 100 एमएल दूध में 51 आईयू विटामिन डी और 113 एमजी कैल्शियम मिलता है। शरीर के बढ़ते वजन को कम करने में भी दूध आपके लिए प्रभावी हो सकता है। दरअसल, दूध में भरपूर रूप से प्रोटीन मौजूद होता है, जो वजन को घटाने और नियंत्रित करने में आपकी मदद करता है।

अंडा

प्रोटीन से भरा अंडा हड्डियों को मजबूत बना सकता है। यह ऑस्टियोपोरोसिस की बीमारी से बचाता है और विटामिन डी देता है। इसके लिए आपको अंडे का पीला भाग जरूर खाना होगा। क्योंकि, सफेद हिस्से में सिर्फ प्रोटीन मौजूद होता है। वजन को कम करने और नियंत्रित रखने के लिए अंडे का सेवन मददगार हो सकता है। अंडे में भरपूर मात्रा में प्रोटीन होता है। प्रोटीन, शरीर में लंबे समय तक ऊर्जा को बनाए रखने और पेट को भरे रखने का काम कर सकता है। इससे बार-बार खाने की आदत पर रोक लग सकता है और शरीर में जाने वाली कैलोरी की मात्रा नियंत्रित हो सकती है।

हंसना मना है

पति - मुन्ना कब से रो रहा है। इसे लोरी सुना कर सुला क्यों नहीं देती?
पत्नी -लोरी सुनाती हूं तो पड़ोसी कहते हैं कि भाभी जी इससे अच्छा तो मुन्ने को ही रोने दो।

कुछ बदमाश? लड़कों ने कॉलेज के नोटिस बोर्ड पर लिख दिया 50 प्रतिशत लड़कियां बेवकूफ होती हैं, लड़कियों ने ये देखा तो उन्हें बहुत? बुरा लगा, उन्होंने कॉलेज में हंगामा खड़ा कर दिया। कॉलेज प्रबंधन ने तुरंत उस नोटिस को निकलवाया, और उसकी जगह नया नोटिस लगवाया। 50 प्रतिशत लड़कियां बेवकूफ नहीं होती हैं तब जाकर लड़कियों का गुस्सा शांत हुआ।

बाप: तुम मेरी बेटी को कबसे प्यार करते हो? लड़का: 7 महीनो से
बाप: लेकिन मैं यकिन कैसे करू?
लड़का: और 2 महीने रुक जाओ। पता चल जाएगा।

लड़की-कृपया मुझे सीट दे दो? लड़का -क्यूं दे दूं? लड़की-अरे लड़की खड़ी है, सीट भी नहीं दे सकते क्या? लड़का -आप मुझसे शादी कर लो? लड़की - किस ख़ुशी में कर लूं? लड़ा-लड़का कुंवारा घूम रहा है, शादी भी नहीं कर सकती?

कहानी | सबसे कीमती चीज

एक जाने-माने स्पीकर ने हाथ में पांच सौ का नोट लहराते हुए अपनी सेमीनार शुरू की। हाल में बैठे सैकड़ों लोगों से उसने पूछा, ये पांच सौ का नोट कौन लेना चाहता है? हाथ उठना शुरू हो गए। फिर उसने कहा, मैं इस नोट को आपमें से किसी एक को दूंगा पर उससे पहले मुझे ये कर लेने दीजिये। और उसने नोट को अपनी मुट्ठी में चिमोड़ना शुरू कर दिया। और फिर उसने पूछा, कौन है जो अब भी यह नोट लेना चाहता है? अभी भी लोगों के हाथ उठने शुरू हो गए। अच्छा उसने कहा, अगर मैं ये कर दूं? और उसने नोट को नीचे गिराकर पैरों से कुचलना शुरू कर दिया। उसने नोट उठाई, वह बिल्कुल चिमुड़ी और गन्दी हो गयी थी। क्या अभी भी कोई है जो इसे लेना चाहता है? और एक बार फिर हाथ उठने शुरू हो गए। दोस्तों, आप लोगों ने आज एक बहुत महत्वपूर्ण पाठ सीखा है। मैंने इस नोट के साथ इतना कुछ किया पर फिर भी आप इसे लेना चाहते थे क्योंकि ये सब होने के बावजूद नोट की कीमत घटी नहीं, उसका मूल्य अभी भी 500 था। जीवन में कई बार हम गिरते हैं, हारते हैं, हमारे लिए हुए निर्णय हमें मिटटी में मिला देते हैं। हमें ऐसा लगने लगता है कि हमारी कोई कीमत नहीं है । लेकिन आपके साथ चाहे जो हुआ हो या भविष्य में जो हो जाए , आपका मूल्य कम नहीं होता। आप स्पेशल हैं, इस बात को कभी मत भूलिए। कभी भी बीते हुए कल की निराशा को आने वाले कल के सपनों को बर्बाद मत करने दीजिये। याद रखिये आपके पास जो सबसे कीमती चीज है, वो है आपका जीवन।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज दिक्कतों का तेजी से मुकाबला करने की आपकी क्षमता आपको खास पहचान दिलाएगी। आज आपको महत्वपूर्ण मामलों पर ध्यान लगाने की जरूरत है।

तुला

आज आप धार्मिक कार्यों में शामिल हो सकते हैं। सह कर्मचारियों के साथ आप कोई बड़ा कार्य कर सकते है। पारिवारिक संबंधों में सुधार होने के योग हैं।

वृषभ

आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज टूट चुके संबंधों को दोबारा से जोड़ने का दिन है। आपके सपनों को आज नयी उड़ान मिलेगी। हर कोई आपकी बातों से प्रभावित होगा।

वृश्चिक

आज आपका दिन बहुत ही बढ़िया रहने वाला है। आज आप रचनात्मक कार्यों में रुचि लेंगे। आपके रचनाओं की हर तरफ तारीफ की जायेगी।

मिथुन
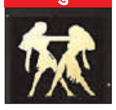

आज का दिन आपके लिए मिश्रित परिणाम लेकर आएगा। आज यदि आपका धन किसी योजना पर सही निवेश हो रहा है, तो वह आपको लाभ देगा।

धनु

आज का दिन आपका सामान्य रहेगा। आज नौकरी में अपने किसी सहयोगी से परेशान हो सकते हैं, जिसके कारण आप का मन कार्य करने में नहीं लगेगा।

कर्क

प्रेम सम्बंधों के लिए यह समय आपके लिए बहुत ही अच्छा है। आज आपको हर क्षेत्र में लाभ मिलने का योग है। जीवन से जुड़े कुछ बड़े निर्णय ले सकते हैं।

मकर

आज अगर किसी से प्यार का इजहार करना है तो सफलता मिलने की संभावना अधिक रहेगी। मन में पैसों को लेकर कई तरह के विचार आ सकते हैं।

सिंह

आज आप का दिन बेहतरीन रहने वाला है। पहले से बनाई गई योजनाओं को अमली-जामा पहनाने के लिये आज का दिन अच्छा रहने वाला है।

कुम्भ
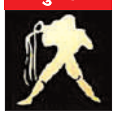

आज आपका दिन उत्तम रहेगा। आज अपना मत बिना झिझक के सबके सामने रखें जो आपके लिए कारगर साबित होगा। लवमेट के लिए आज का दिन अच्छा है।

कन्या

आज का दिन आपके निवेश करने के लिए रहेगा। यदि आज आपने किसी कार्य में निवेश करने का मन बनाया है, तो वह आपको उत्तम फल देगा।

मीन

आज का दिन आपके लिए प्रतिकूल परिस्थितियां लेकर आएगा। क्रोध भी अधिक रहेगा। यदि आज किसी से वाद-विवाद होगा, तो आप अपने क्रोध पर नियंत्रण नहीं बना पाएंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं अभी भी नई चीजों को आजमाने में ठीक महसूस करती हूं: पूजा

पूजा भट्ट ने बिग बॉस ओटीटी-2 के अपकमिंग एपिसोड में घर के सदस्यों को बताया कि वह शो में क्यों आई हैं। बिग बॉस ओटीटी 2 के को-कंटेस्टेंट के साथ बातचीत में पूजा ने बॉलीवुड में अपनी यात्रा के बारे में बात की और कहा कि वह अभी भी नई चीजों को आजमाने में ठीक महसूस करती हैं। पूजा भट्ट ने कहा कि उन्होंने अपनी लाइफ में जो कुछ भी किया है, उसके बारे में सोचकर उन्हें कुछ भी बुरा नहीं लगता है। पूजा ने कहा, मुझे अपने किए गए कामों का कोई पछतावा नहीं है, मुझे लगता है कि कम से कम कोशिश करना जरूरी है, इससे या तो आप कुछ खोते हैं या सब कुछ पा लेते हैं। शो के बारे में उन्होंने कहा, हम यह नहीं छिपा सकते कि हम क्या हैं और कौन हैं। दर्शक सब कुछ समझते हैं। हममें से कोई एक ही जीतेगा, कोशिश करना और अपना बेस्ट देना जरुरी है। आने वाले एपिसोड में पूजा को नॉमिनेशन टास्क के लिए भी विशेषाधिकार मिलेगा क्योंकि फिलहाल वह घर की कैप्टन हैं। पूजा को यह तय करने का अधिकार है कि किसे नोमिनेट करना है। पूजा भारतीय फिल्म निर्माता, महेश भट्ट की बेटी और आलिया भट्ट की सौतेली बहन हैं। उन्होंने 1989 में महेश भट्ट की फिल्म डैडी में अपनी पहली प्रमुख भूमिका निभाई। उन्हें सफलता रोमांस-कॉमेडी दिल है कि मानता नहीं से मिली। आखिरी बार वह बड़े पर्दे पर सड़क 2 में नजर आई थीं। यह फिल्म 20 साल बाद निर्देशक के रूप में महेश भट्ट की वापसी थी। फिल्म की कहानी अपने पूर्ववर्ती की घटनाओं के 29 साल बाद की है।

ऋचा चड्ढा ने शुरू की फिल्म आइना की शूटिंग

ऋचा चड्ढा इस साल आइना के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। एक्ट्रेस ने फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है और इसमें वह क्रॉनिकल्स ऑफ नार्निया फेम विलियम मोसले के साथ मुख्य किरदार निभाती नजर आएंगी। फिल्म वास्तविक जीवन की घटनाओं पर आधारित है। फिलहाल, फिल्म की शूटिंग यूके में चल रही है और लंदन शेड्यूल के बाद इसे भारत में अलग-अलग लोकेशन पर शूट किया जाएगा। फिल्म के बारे में बात करते हुए ऋचा ने कहा, मैंने इंटरनेशनल प्रोजेक्ट्स के लिए कुछ स्क्रिप्ट पढ़ी थीं लेकिन कुछ भी अच्छी नहीं लग रही थी। जब आइना मेरे पास आई, तो मुझे पता था कि यह वही है और अब, जैसा कि आखिरकार हो रहा है, मैं बेहद रोमांचित हूं। फिल्म की कहानी बेहद दिलचस्प है। मैंने अपने अंतर्राष्ट्रीय डेब्यू के लिए एक मजबूत स्क्रिप्ट तैयार की है और आइना उसके लिए बिल्कुल उपयुक्त थी। फ्रेशर जैसा करती हैं फील उन्होंने आगे बताया, फिल्म की पूरी शूटिंग यूके में हुई है और उनकी कार्य संस्कृति हमारी तुलना में बहुत अलग है। इसलिए, भारतीय फिल्म उद्योग में कई वर्षों के अनुभव के साथ भी, मुझे एक फ्रेशर जैसा महसूस हो रहा है। एक्ट्रेस ने फुकरे-3 की शूटिंग पूरी कर ली है, जहां वह भोली पंजाबन की भूमिका निभा रही हैं।

जान्हवी कपूर और वरुण धवन ने मिलकर मचाया बवाल

वरुण धवन और जान्हवी कपूर को फिल्म बवाल के लिए काफी सराहना मिल रही है। एक मीडिया कंसल्टिंग फर्म के मुताबिक, रिलीज के पहले सप्ताह के भीतर ही, फिल्म ने सात मिलियन व्यूज पार कर लिए हैं और एक बड़ी हिट के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। फिल्म की शानदार कहानी एक रिश्ते के भीतर अनुभव की जाने वाली चुनौतियों को दर्शाती है, जो अजय (वरुण धवन) और निशा (जान्हवी कपूर) की कहानी को खूबसूरती से बुनती है। उनकी प्रेम कहानी ने दर्शकों के दिलों को छू लिया है।

प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई फिल्म

फिल्म का निर्देशन बहुप्रशंसित निर्देशक नितेश तिवारी ने किया है, जो दंगल, चिल्लर पार्टी और छिछोरे जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। बवाल वर्तमान में भारत और 200 देशों और क्षेत्रों में प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम है।

बॉलीवुड | गपशप

कहानी, परफॉर्मेंस, प्रोडक्शन डिजाइन और निर्देशन ने प्रशंसा अर्जित की है। फिल्म अश्विनी अय्यर तिवारी और नितेश तिवारी की अर्थस्की पिक्चर्स के सहयोग से साजिद नाडियाडवाला की नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित है।

अजब-गजब | इस गांव को देखने के लिए हर साल आते हैं सैकड़ों पर्यटक

यहां के हर घर का दरवाजा है हरा नहीं खरीद सकता है कोई अपना घर

दुनिया में हर देश का अलग-अलग नियम और कानून होता है। कई इलाकों में लोग देश से अपने अलग नियम का पालन करते हैं। इनमें कई अजीबोगरीब परंपराएं भी होती हैं। दुनिया के कई देशों ने कई अजीब परंपराओं पर रोक लगा दी है, लेकिन आज भी कई इलाकों में लोग अपनी पुरानी परंपराओं का पालन करते हैं। इन परंपराओं के बारे में जानकर हैरानी होती है।

ब्रिटेन के एक गांव में अजीबोगरीब नियम का पालन किया जाता है, जिसे बेहद कड़ा मना जाता है। इस नियम का गलती से भी कोई पालन करना नहीं भूलता है। इस ब्रिटिश गांव के नियम को बेहद अजीबोगरीब भी माना जाता है। इसके बारे में जानकर आप हैरत में पड़ जाएंगे। इसके साथ ही आपके मन में सवाल खड़ा होगा कि आखिर लोग इस अजीबोगरीब नियम का पालन क्यों करते हैं? तो आज हम आपको बताते हैं कि ब्रिटिश गांव का क्या नियम है और लोग क्यों पालन करते हैं?

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इस ब्रिटिश गांव का नाम वेंटवर्थ है। इस गांव में बेहद अजीबोगरीब नियम का लोग पालन करते हैं। हालांकि इसके पीछे की वजह गांव की संस्कृति

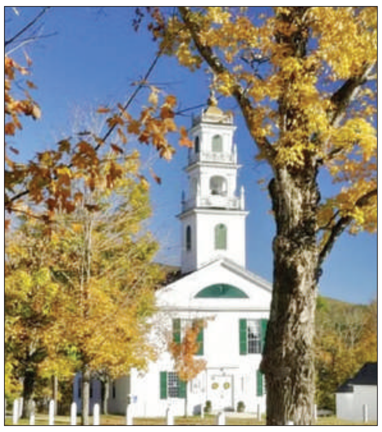

को बचाना और परंपराओं को आगे जारी रखना है। वेंटवर्थ गांव में सिर्फ एक दुकान है। इसके अलावा दो पब और एक रेस्टोरेंट है। यहां के लोग कोई काम बिल्कुल आराम से करते हैं। यह बेहद खूबसूरत गांव है और लोगों को यहां पर कोई बदलाव नहीं पसंद है। वेंटवर्थ गांव को देखने के लिए हर साल सैकड़ों पर्यटक आते हैं। इस गांव में ग्रीन-डोर पॉलिसी का पालन होता है और यहां कोई बदलाव नहीं किया जा सकता है। यहां पर हर घर के दरवाजे का रंग हरा होता है। ट्रस्ट इस गांव की देखरेख करता है। इस गांव में ट्रस्ट कोई बदलाव नहीं करना चाहता है। इस गांव में करीब 1400 लोग रहते हैं। ट्रस्ट के पास क्षेत्र में 300 सालों से फैसला लेने की शक्ति है और वह यहां पर कोई बदलाव नहीं चाहता है। इस गांव पर अब ट्रस्ट का 95 फीसदी स्वामित्व हो चुका है। यहां पर ग्रामीण वास्तव में अपने घर के मालिक नहीं हैं। वह सिर्फ किराएदार हैं और वह घरों पर स्वामित्व का दावा नहीं कर सकते हैं। किसी परिवार के सभी सदस्यों की मौत हो जाती है, तो घर का किराया बढ़ जाता है।

यहां पर घर में कोई बदलाव करना होता है, तो प्रशासन की इजाजत लेनी होती है। एस्टेट के ग्राम प्रमुख अलेक्जेंडर का कहना है कि घर के दरवाजे का रंग देखकर पता चल जाता है कि यह वेंटवर्थ का हिस्सा हैं, क्योंकि घर के दरवाजे हरे रंग के होते हैं। उनका कहना है कि यह गांव एक हेरिटेज का हिस्सा है। यहां पर कोई भी आता है, तो वह घर के दरवाजे का रंग देखकर जाना जाता है कि यह वेंटवर्थ गांव है।

भारत में यहां पर शादी के लिए लड़कों को पीटती हैं महिलाएं

दुनिया के हर देश में शादी के अलग-अलग रीति रिवाज होते हैं। कुछ परंपराएं बेहद खास होती हैं, जबकि कुछ बेहद हैरान करने वाले होती हैं। भारत विविधताओं का देश है और यहां पर अलग-अलग संस्कृति, परंपराएं और रीति-रिवाजों का पालन किया जाता है। देश के हर राज्य में शादी की अलग-अलग परंपराओं का पालन किया जाता है। ऐसी ही एक परंपरा का पालन राजस्थान के जोधपुर में किया जाता है। जोधपुर में एक मेले का आयोजन किया जाता है, जिसमें सिर्फ महिलाओं का ही राज है। दुनिया का यह अनोखा मेला 16 दिनों तक चलता है। मेले के बाद सुहागिन महिलाएं पूरी रात सड़कों पर निकलकर बेंत से पुरुषों को पीटती हैं। मेले की सबसे खास बात यह है कि पुरुष खुद ही पीटते हैं और कोई बुरा नहीं मानता है। इस अनोखे मेले को बेंतमार मेले के नाम से भी जाना जाता है। आइए जानते हैं इस अनोखे रीति रिवाज के बारे में...बताया जाता है कि जोधपुर में प्राचीन समय से यह परंपरा चलती आ रही है। इस परंपरा में भाभी अपने देवर और दूसरे कुंवारे लड़कों को प्यार से छड़ी मारकर बताती है कि यह कुंवारा है। मान्यता है कि बेंत मारने से कुंवारे लड़कों की जल्द शादी हो जाती है। जोधपुर में आयोजित होने वाले इस मेले का नाम धींगा गवर है। मेले के दौरान 16 दिन तक गवर माता की पूजा की जाती है। फिर 16वें दिन महिलाएं पूरी रात से बाहर रहती हैं। अलग-अलग समय पर धींगा गवर की आरती करती हैं। इस मेले की खास बात यह है कि इसमें विधवा महिलाएं भी भाग लेती हैं। माना जाता है कि ऐसा करने से परिवारों में सुख-समृद्धि आती है। 16 दिन तक चलने में वाले मेले में हर दिन धींगा गवर माता की पूजा की जाती है। पूजा करने वाली महिलाएं 12 घंटे तक निर्जला उपवास रखती हैं और दिन में सिर्फ एक बार खाना खाती हैं। चैत्र शुक्ल की तृतीया से इस पूजा की शुरुआत होती है और बैसाख कृष्ण पक्ष की तृतीया तक यह चलता है। पूजा में महिलाएं पहले दीवारों पर गवर की कलाकृति बनाती हैं। कच्चे रंग से भगवान शिव, गणेश जी, मूषक, सूर्य, चंद्रमा और गणरी लिए महिला का भी चित्र बनाया जाता है। इसमें 16 अंकों का खास महत्व होता है और 16 महिलाएं एक साथ पूजा करती हैं। यह संख्या न घटाई जा सकती है और न ही बढ़ाई जा सकती है। राव जोधा ने 1459 में जोधपुर की स्थापना की थी। मान्यता है कि तभी से ही धींगा गवर पूजा शुरू हुई थी। राज परिवार ने इस पूजा की परंपरा की शुरुआत की थी। 564 सालों से यह पूजा चलती आ रही है।

यूपी पुलिस का खौफ खत्म! अब मेरठ में मणिपुर जैसी घटना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मेरठ। यूपी के सीएम योगी के दावे कि यूपी में अपराधियों में खौफ है कि हवा मेरठ की घटना ने निकाल दिया है। यूपी पुलिस का खौफ अब लगता है शोहदों पर कम होने लगा है तभी तो उन्होंने मणिपुर में महिलाओं से बदसलूकी जैसी घटना यूपी के मेरठ में अंजाम दे दिया। इस तरह के शर्मनाक घटना मेरठ में घटी है। वहां के किठौर थाना इलाके में किशोरी से दुष्कर्म के बाद उसकी पिटाई का वीडियो वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में निर्वस्त्र किशोरी हाथ जोड़कर रोते-गिड़गिड़ाते हुए अपने कपड़े मांगती रही, लेकिन आरोपी बदसलूकी करते हुए उसकी पिटाई करते रहे। किशोरी को नग्न अवस्था में खेत से सड़क तक पीटते हुए ले जाया गया है।

पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। तीन को जेल भेज दिया है। किठौर थाने में पीड़ित किशोरी के पिता ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि क्षेत्र में रहने वाले शाकिर पुत्र जाहिद ने उसकी बेटी को निकाह का झांसा देकर प्रेम जाल में फंसा लिया। इसके बाद आरोपी किशोरी का शारीरिक शोषण करने लगा।

किशोरी के साथ दुष्कर्म, निर्वस्त्र कर पीटा फिर शोहदों ने घसीटा

तीन महीने पहले शाकिर किशोरी को नशीला पदार्थ पिलाकर जंगल में ले गया। किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। शाकिर के दोस्त पप्पू उर्फ जावेद पुत्र रियासत, शोएब गद्दी पुत्र जफरयाब, हैदर पुत्र गुलजार और आलम ने किशोरी के कपड़े छीन लिए। उसका वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। पीड़ित परिवार ने इसका विरोध किया तो शाकिर और उसके दोस्तों ने जान से मारने की धमकी दी।

खेत से सड़क तक किशोरी को नग्न अवस्था में दौड़ाया

वीडियो में लोग क्रूरता की सारी हदें पार करते नजर आ रहे हैं। किशोरी रोते हुए मुंह को छिपाती है तो वे उसको चांटे मारते हैं। वो बार-बार कपड़े मांग रही है लेकिन आरोपी उसे गालियां देते हुए चेहरा दिखाने को कह रहे हैं। किशोरी को खेत से सड़क तक नग्न अवस्था में दौड़ाकर भी पीटा गया। वो गिड़गिड़ाती रही लेकिन किसी भी युवक का दिल नहीं पसीजा। इस घटना के बाद से किशोरी गुमसुम है। परिजन बेहद दुखी हैं।

तीन महीने पहले हुई थी घटना

एसपी देहात कमलेश कुमार के अनुसार घटना तीन महीने पुरानी है। पीड़िता के पिता की तहरीर पर मारपीट, छेड़खानी, दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट और आईटी एक्ट में रिपोर्ट दर्ज कर शाकिर, पप्पू उर्फ जावेद और आलम को जेल भेज दिया गया है।

इंडिया देगा विकास की गारंटी : जयराम रमेश

भाजपा सरकार की नीतियां देश को दे रहीं हैं गलत दिशा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने विपक्षी गठबंधन इंडिया की तारीफ की है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि अगर 26 दलों वाला विपक्षी गुट इंडिया सत्ता में आता है तो प्रधानमंत्री की भाजपा के तहत देश जिस रास्ते पर चलेगा, उसकी तुलना में विकास में एक महत्वपूर्ण अंतर होगा। विपक्षी गठबंधन की खूबी बताते हुए उन्होंने आगे कहा कि मुख्य अंतर विकास के प्रकार का है, जिसकी इंडिया गारंटी देती हैं। ऐसा विकास जो सामाजिक रूप से कहीं ज्यादा समावेशी है, विकास जो नौकरी पैदा करता है खत्म नहीं, विकास जो हर जगह आय बढ़ाता है और विकास जो पारिस्थितिक रूप से टिकाऊ है।

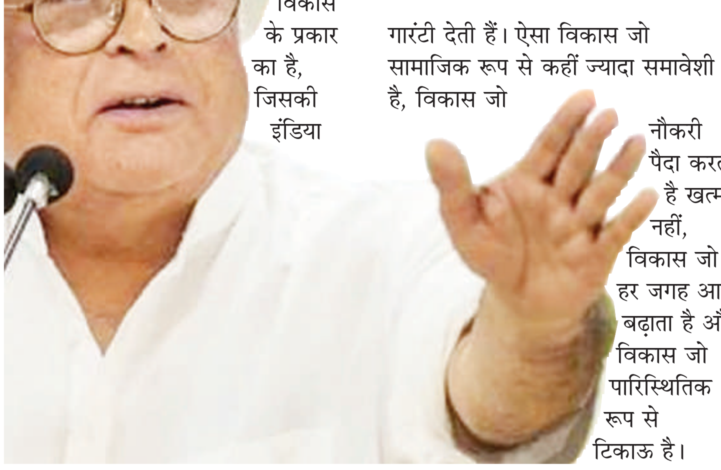

पीएम के कार्यक्रम से मेरा भाषण हटाया गया : गहलोत

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे को लेकर राजस्थान में सियासत शुरू हो गई है। आज सीकर आ रहे पीएम मोदी को लेकर सीएम अशोक गहलोत ने ट्वीट किया है। गहलोत ने लिखा- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीजी, आज आप राजस्थान पधार रहे हैं। आपके कार्यालय ने मेरा पूर्व निर्धारित 3 मिनट का संबोधन कार्यक्रम से हटा दिया है, इसलिए मैं आपका भाषण के माध्यम से स्वागत नहीं कर सकूंगा। ट्वीट के माध्यम से आपका राजस्थान में तहेदिल से स्वागत करता हूं। पीएमओ ने भी इसका जवाब दिया है। सीएम गहलोत ने ट्विटर पर लिखा- आज (गुरुवार को) हो रहे 12 मेडिकल कॉलेजों के लोकार्पण और शिलान्यास राजस्थान सरकार व केन्द्र की भागीदारी का परिणाम है। इन मेडिकल कॉलेजों की परियोजना लागत 3,689 करोड़ रुपये है जिसमें 2,213 करोड़ केन्द्र का और 1,476 करोड़ राज्य सरकार का अंशदान है। मैं राज्य सरकार की ओर से भी सभी को बधाई देता हूं। मैं इस कार्यक्रम में अपने भाषण के माध्यम से जो मांग रखता वो इस ट्वीट के माध्यम से रख रहा हूं। आशा करता हूं 6 महीने में की जा रही इस सातवीं यात्रा के दौरान आप इन्हें पूरी करेंगे...। प्रधानमंत्री कार्यालय ने ट्वीट कर कहा कि प्रिय अशोक गहलोत जी, प्रोटोकॉल के मुताबिक हमने आपको विधिवत आमंत्रित किया था।

24 में सरकार किसी की बने भारत आगे बढ़ेगा

वहीं कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'देश के तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की गारंटी वाले' बयान पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि भारत का दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में उभरना तय है और यह सच है, भले ही 2024 के चुनावों के बाद सरकार कोई भी बनाए। गौरतलब है, पिछले साल सितंबर में भारत यूनाइटेड किंगडम को पीछे छोड़कर दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया था। इस क्रम में संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, जापान और जर्मनी शीर्ष चार स्थानों पर हैं। जयराम रमेश ने कहा कि अंकगणितीय अनिवार्यता पर व्यक्तिगत गारंटी देना मोदी जी की खासियत है।

जलकल विभाग के कर्मचारियों ने दी धरने की चेतावनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जलकल विभाग नगर निगम लखनऊ में कर्मचारियों की लंबित समस्याओं का निराकरण ना हो पाने से जलकल, नगर निगम नियमित एवं आउटसोर्सिंग कर्मचारी संघ ने विभागाध्यक्ष को पत्र लिखा है। उन्होंने विभागाध्यक्ष को लिखा है कि उन लोगों ने अनेकों बार लिखित एवं मौखिक तौर समस्याओं के बारे में संबंधित अधिकारियों को जानकारी दी परंतु महाप्रबंधक ने सिर्फ झूठे आश्वासन ही दिए।

कर्मचारी संघ ने कहा प्रदेश में सभी उच्चअधिकारी समस्याओं को सूनते हैं परंतु जलकल विभाग लखनऊ के विभागाध्यक्ष के पास अपने विभाग के कर्मचारियों के लिए समय नहीं है। महाप्रबंधक इतना ज्यादा व्यस्त हैं कि उनके पास जलकल विभाग, मुख्यालय में बैठने का भी समय नहीं है। कर्मचारियों में रोष व्याप्त है। उन्होंने कहा कि मांग पत्र पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया तो बाध्य होकर संगठन ट्रेड यूनियन एक्ट के तहत 2 अगस्त को महाप्रबंधक के नए कार्यालय जलकल विभाग, बंगला नंबर 2, वाटर वर्क्स रोड, ऐशबाग पर सांकेतिक धरना देंगे। यह जानकारी आकाश कुमार गुप्ता महामंत्री जलकल, नगर निगम नियमित एवं आउटसोर्सिंग कर्मचारी संघ लखनऊ ने दी है।

फोटो: 4पीएम

जुलूस बुधवार की रात को राजधानी के बड़ा इमामबाड़ा में मुहर्रम के पाक महीने के दौरान मेंहदी के जुलूस में पहुंचे लोग।

यशस्वी रैंकिंग में उछले, 11 स्थानों की छलांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग: रोहित नौवें स्थान पर

दुबई। भारत के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में 11 पायदान चढ़कर 63वें स्थान पर पहुंच गए जबकि कप्तान रोहित शर्मा नौवें स्थान पर हैं। जायसवाल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पोर्ट आफ स्पेन में ड्रॉ रहे दूसरे टेस्ट में 57 और 38 रन की पारियां खेली। अब उनके 466 अंक हैं।

दूसरे टेस्ट में 80 और 57 रन बनाने वाले रोहित के 759 अंक हैं और वह श्रीलंका के कप्तान दिमुथ करूणारत्ने के साथ नौवें स्थान पर हैं। ऋषभ पंत एक पायदान नीचे गिरकर 12वें और विराट कोहली 14वें स्थान पर हैं। आस्ट्रेलिया के मार्नस लाबुशेन और इंग्लैंड के जो रूट क्रमश: दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन शीर्ष पर हैं। इंग्लैंड के जाक क्राउले 13 पायदान चढ़कर 35वें स्थान पर हैं। वहीं हैरी ब्रूक 11वें और जॉनी बेयरस्टो संयुक्त 19वें स्थान पर हैं। भारत के अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन गेंदबाजों की सूची में शीर्ष पर हैं जबकि रविंद्र जडेजा छठे स्थान पर हैं। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज 33वें स्थान पर पहुंच गए हैं। श्रीलंका के प्रबाथ जयसूर्या कैरियर की सर्वश्रेष्ठ सातवीं रैंकिंग पर हैं। जयसूर्या के स्पिन जोड़ीदार रमेश मेंडिस एक पायदान चढ़कर 21वें स्थान पर हैं। हरफनमौलाओं की रैंकिंग में जडेजा और अश्विन शीर्ष दो स्थानों पर हैं जबकि अक्षर पटेल पांचवें स्थान पर हैं।

इद्रुस ने रचा इतिहास, सिर्फ 8 रन देकर लिए 7 विकेट

आईसीसी टी-20 विश्व कप 2024 क्वालीफायर के मुकाबले खेले जा रहे है। क्वालीफायर राउंड में मलेशिया और चीन के बीच खास मुकाबला खेला गया, जिसमें ऐसा कारनामा हुआ है जो अब तक क्रिकेट में नहीं हुआ। इस मैच में मलेशिया के तेज गेंदबाज सियाजरुल इद्रुस ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने चीन के खिलाफ इस मैच में खास कारनामा किया है, जिससे उनका नाम क्रिकेट के इतिहास में लिख गया है। मलेशिया ने चीन को इस मैच में आठ विकेट से मात दी है। पहली बार क्रिकेट मैच में उन्होंने सात विकेट लेने का रिकॉर्ड बनाया और इस दौरान कुल आठ रन ही दिए।

पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर के आवास को पुलिस ने घेरा, हाथ, मुंह और पांव बांधकर बैठे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कन्नौज सांसद सुब्रत पाठक प्रकरण में लखनऊ पुलिस द्वारा हमारे गोमतीनगर आवास को चारों तरफ से घेर लेने तथा डीजीपी मुख्यालय नहीं जाने देने की स्थिति में अमिताभ ठाकुर अभी 12 बजे से अपने आवास पर ही हाथ मुंह और पांव बांधकर बैठेंगे। अधिकार मंच के अमिताभ ठाकुर डीजीपी आफिस जाने के रोकने के लिए लखनऊ पुलिस ने उनके आवास को घेर लिया है। यह जानकारी उनकी पत्नी व वरिष्ठ वकील नूतन ठाकुर ने दी है।

गौरतलब हो कि कन्नौज के सांसद सुब्रत पाठक द्वारा पुलिस चौकी में पुलिस से मारपीट पर कार्रवाही न किए जाने के विरोध में पूर्व पुलिस अधिकारी अमिताभ ठाकुर डीजीपी ऑफिस जाना चाहते थे।

श्रीमती नूतन ठाकुर का कहना है उन्हें रोकने के लिए लखनऊ पुलिस गोमतीनगर आवास को चारों तरफ से घेर लिया है। उनका कहना है कि अमिताभ ठाकुर कन्नौज सांसद सुब्रत पाठक द्वारा कन्नौज की मंडी पुलिस चौकी में घुसकर पुलिस वालों को मारपीट किए जाने के मामले में अब तक कोई कार्यवाही नहीं किए जाने के संबंध में डीजीपी ऑफिस के सामने जाकर कार्रवाई की मांग करना चाहते थे पर उससे पहले पुलिस ने इस तरह का घृणित कार्य किया।

कन्नौज सांसद सुब्रत पाठक द्वारा पुलिस चौकी में मारपीट के मामले में डीजीपी आफिस जाना चाहते थे ठाकुर

किसानों की मुश्किलों को हल करने का प्रयास जारी : मोदी

किसान सम्मान योजना की 14वीं किस्त जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज देश में किसानों की मुश्किलों को हल करने के लिए 1.25 लाख किसान समृद्धि केंद्रों को समर्पित किया जा रहा है, इनके जरिए खेती से जुड़ी हर जानकारी, हर योजना की सूचना, उसे लाभ आदि के जरिए बताया जाएगा, आज देश के करोड़ों किसानों को करीब 18,000 करोड़ रुपये की राशि पीएम किसान सम्मान निधि योजना के तहत दी गई है जो सीधा उनके खाते में आ रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के सीकर में एक सरकारी कार्यक्रम में किसानों के लिए लाभकारी किसान सम्मान योजना के तहत 14वीं किस्त जारी की। डायरेक्ट बेनेफिट ट्रांसफर के जरिए देश के 8.5 करोड़ किसानों के खाते में 2000 रुपये सीधा उनके खाते में पहुंच गए हैं। इस 14वीं किस्त के जरिए किसानों को 17,000 करोड़ रुपये से ज्यादा ट्रांसफर किए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीकर में एक सरकारी कार्यक्र म में कई विकास कार्यों की आधारशिला भी रखी है।

लूट की दुकान का ताजा प्रोडक्ट लाल डायरी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राजस्थान के शेखावाटी इलाके में भाजपा के चुनावी अभियान की शुरुआत कर कांग्रेस में लाल डायरी को लेकर उठे विवाद पर भी चुटकी ली। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की तरफ से पहले राजस्थान के विकास का सिलसिला लगातार चल रहा है, लेकिन जब से यहां कांग्रेस की सरकार बनी है, तब से विकास के काम में रोड़े अटकाने का ही काम चल रहा है। कांग्रेस की सरकार का मतलब है कि लूट की दुकान और झूठ का बाजार। इस लूट की दुकान का ताजा प्रोडक्ट है लाला डायरी। मोदी ने कहा कि कितनी ही ताकत लगा लें, लेकिन लाल डायरी इस चुनाव में पूरी कांग्रेस का डिब्बा गोल करने जा रही है। लाल डायरी के नाम से ही कांग्रेस के नेताओं की बोलती बंद हो रही है।

भाजपा में काम करने पर शर्मिंदा हूं : विनोद शर्मा

पटना। मणिपुर हिंसा को लेकर देश में सियासी बवाल मचा हुआ है। संसद से लेकर सियासी गलियारों तक यह मुद्दा सुर्खियों में है। इसी बीच भाजपा के मीडिया पैनलिस्ट विनोद शर्मा ने इस्तीफा दे दिया है। शर्मा इु) ने भाजपा छोड़ने की घोषणा राजधानी पटना में जगह-जगह होर्डिंग, पोस्टर और बैनर लगाकर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने होर्डिंग में लिखवाया है कि मणिपुर की घटना पर अब तक प्रधानमंत्री ने बयान दिया है, न ही मणिपुर के मुख्यमंत्री को हटाने का काम किया गया है।

पटना के चौराहों पर लगे हैं पोस्टर

विनोद शर्मा के इस्तीफे से जुड़े पोस्टर पटना के चौराहों पर, पटना वीमेंस कॉलेज के सामने, राजद प्रदेश कार्यालय के बगल में, जदयू कार्यालय के सामने, विधानसभा गेट के सामने, पुराने सचिवालय के गेट के सामने, चिड़ियाखाना गेट नंबर 2 के सामने, विद्यापति भवन के सामने, गांधी मैदान जेपी गोलंबर के पास लगाए गए हैं। इन पोस्टरों में उनके इस्तीफे की बात के साथ मणिपुर की घटना के लिए पूरी तरह से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मणिपुर के मुख्यमंत्री बीरेन सिंह को जिम्मेदार बताया है।

मालवाहक जहाज में लगी आग एक भारतीय की मौत, 20 घायल

» तीन हजार लदी थीं कारें पनामा का है जहाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लंदन। करीब तीन हजार कार लदे एक मालवाहक जहाज में नीदरलैंड के तट पर भीषण आग लगने की खबर है। इस हादसे में एक भारतीय की मौत हो गई है और 20 लोग घायल हुए है। हादसे में जान गंवाने वाला भारतीय, जहाज के क्रू का सदस्य था।

नीदरलैंड्स के तटरक्षक बलों ने चेतावनी जारी की है कि यह आग अगले कई दिनों तक लगी रह सकती है, जिसे बुझाने के प्रयास जारी हैं। बता दें कि 199 मीटर लंबा पनामा का मालवाहक जहाज फर्मेंटल हाइवे जर्मनी से मिस्र का सफर कर रहा था लेकिन मंगलवार रात नीदरलैंड के तट के करीब इस जहाज में आग लग गई। नीदरलैंड्स स्थित भारतीय दूतावास ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया है कि इस हादसे में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई।

फोटो :4 पीएम

प्रदर्शन आम आदमी पार्टी के पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ द्वारा मणिपुर घटना व राज्यसभा सांसद संजय सिंह की बर्खास्तगी को लेकर गोमतीनगर में किया गया प्रदर्शन।

नगर निगम : लुटेरों को ही दे दी खजाने की चाभी

» लखनऊ नगर निगम की काली करतूत मंत्रियों तक पहुंची

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देवी शंकर दुबे।

अजीत राय।

लखनऊ। नगर निगम की काली कारस्तानी की शिकायत अब मंत्रियों की चौखट तक पहुंचने लगी है। ताजा मामला जोन-आठ का है जहां विभाग के अधिकारियों (जोनल अधिकारी एवं राजस्व निरीक्षक) द्वारा निजी लड़के रखकर भवन कर की वसूली की जा रही है। इतना ही नहीं कर निर्धारण के कार्य में लोगों को धमकाकर एवं भवन सीज करने की धमकी देकर मनमाने ढंग से वसूली भी की जा रही है।

इस बात की शिकायत मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी तक पहुंची तो उन्होंने इस बाबत एक पत्र नगर विकास मंत्री को लिखी है।

जोन-8 में कार्यरत जोनल अधिकारी का मूल पद टैक्स सुप्रीटेंडेन्ट का है लेकिन देखा जाय तो इनकी व्यक्तिगत सम्पत्ति नगर निगम में आला अधिकारियों से भी अधिक है। जोन अधिकारी द्वारा नियम विरूद्ध रूप से देवी शंकर दुबे (राजस्व निरीक्षक द्वितीय) को स्वयं के लाभ हेतु अन्य राजस्व निरीक्षकों के मुकाबले सबसे अधिक वार्ड दिए गए ताकि वह लूट सके। सूत्रों ने बताया कि जोन चार में भी देवी शंकर दुबे व अजीत राय ने मिलकर हाउस टैक्स में बड़ा घोटाला किया है और किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी। अब इन्हीं अधिकारियों को नगर निगम लखनऊ के कार्यालय जोन-8 की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

अध्यावासियों को धमकाते हैं दुबे

देवी शंकर दुबे (राजस्व निरीक्षक द्वितीय) द्वारा अपने से संबंधित वार्डों में आने वाले समस्त व्यवसायिक एवं निजी भवनों के स्वामियों को पहले तो कर निर्धारण अधिक बताकर धमकाया जाता है, फिर कर जमा न करने पर कुर्की करने की भी धमकी दी जाती है, जब भवन स्वामी भयभीत होकर पैसा देने के लिये तैयार हो जाता है, तो उन्हीं भवनों का कर निर्धारण का वार्षिक मूल कम दिखाकर अभिलेखों में गई 2025 की तिथि से कर दिया जाता है। देवी शंकर दुबे द्वारा अपने वार्डों के कार्य हेतु कुल 16 प्राईवेट लड़के रखे गये है, जो श्री दुबे के लिये समस्त पार्टी से कर वसूली एवं कुर्की का कार्य करते हैं। श्री दुबे द्वारा ट्रान्सपोर्ट नगर, लखनऊ स्थिन भवन संख्या-डी 1/153 व भवन संख्या-डी 1/164 के भवन कर निर्धारण में भी वित्तीय अनियमितता की गयी, जिसके 52 लाख के कर को कम करके 08 लाख मात्र कर दिया गया एवं अजीत पाल सिंह, राज्य मंत्री विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी इलेक्ट्रानिक्स तथा सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के पत्र. दिनांक 21.03.2023 द्वारा पूर्व में उक्त प्रकरण में जाँच के निर्देश भी दिये गये परन्तु जोनल अधिकारी, अजीत द्वारा समस्त प्रकरण दबा दिये जाते है। इससे अतिरिक्त हाउस आईडी सीपी / शॉप 6 जो कि भगवान दास वर्मा के नाम से दर्ज का भवन कर निर्धारण भी 21 लाख से कम कर मात्र रू 2216 में निपटा दिया गया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार:** सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार:** संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट:** हसन जैदी, **दूरभाष:** 0522- 4078371 | **Email:** daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।